लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2804

जिसका उत्तर बुधवार, 06 अगस्त, 2025 को दिया जाएगा

प्रयोगशालाओं की परीक्षण शाला

2804. श्री अरूण भारती:

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) योजना के अंतर्गत परीक्षण अवसंरचना के उन्नयन और नई सुविधाओं के सृजन हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाली सरकारी प्रयोगशालाओं की कुल संख्या कितनी है;

(ख) उन विशिष्ट महत्वपूर्ण क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है, जिनमें नई सुविधाएं सृजित की गई है और योजना के अंतर्गत प्रत्येक क्षेत्र के लिए कितना वित्तीय आवंटन किया गया है;

(ग) उक्त योजना का राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल), राष्ट्रीय परीक्षण शाला (एनटीएच) और भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) जैसी प्रयोगशालाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और परीक्षण क्षमता पर प्रभाव का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त योजना के लिए बजटीय आवंटन और अगले चरण के लिए समय-सीमा सहित इसे अन्य प्रयोगशलाओं तक विस्तारित करने या आगे विस्तार करने की भावी योजनाएं क्या हैं?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री
(श्री बी. एल. वर्मा)

(क) से (घ): परीक्षण अवसंरचना के उन्नयन और नई सुविधाओं के सृजन हेतु 54 प्रयोगशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु विभिन्न सरकारी विभागों से प्राप्त 425.64 करोड़ रुपये के 12 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। उपभोक्ता मामले विभाग की स्क्रीनिंग समिति द्वारा प्रयोगशालाओं के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दिए जाने और बीआईएस की शासी परिषद द्वारा विधिवत अनुमोदन के बाद, परीक्षण सुविधाओं के सृजन/उन्नयन की ज़िम्मेदारी संबंधित प्रयोगशालाओं की होगी।

जिन विशिष्ट महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई सुविधाओं को लक्षित किया गया है और स्कीम के अंतर्गत प्रत्येक प्रस्ताव के लिए किए गए वित्तीय आवंटन का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है। यह स्कीम प्रयोगशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके, जैविक खाद्य परीक्षण जैसे उभरते क्षेत्रों सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परीक्षण अवसंरचना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

चल रहे इस स्कीम की पात्रता केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली या पूर्णतः या आंशिक रूप से वित्तपोषित प्रयोगशालाओं, उच्च शिक्षण संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास उद्देश्यों के लिए या गैर-लाभकारी आधार पर प्रयोगशालाएँ चलाने वाले निजी संगठनों को कवर करती है। संबंधित प्रयोगशालाओं से प्राप्त प्रस्ताव स्क्रीनिंग समिति के विचारार्थ प्रस्तुत किए जाते हैं। स्क्रीनिंग समिति, उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा प्रस्तावों के अनुमोदन और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की शासी परिषद द्वारा विधिवत अनुमोदन के आधार पर मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार प्रयोगशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*****

अनुलग्नक

प्रयोगशालाओं की परीक्षण शाला के संबंध में 06/08/2025 को उत्तर दिए जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2804 के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्रम सं.	सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव	अनुमानित लागत
1.	एनटीएच मुंबई में स्विच गियर परीक्षण सुविधा का निर्माण	5 करोड़ रुपये
2.	वस्त्र समिति (**11 प्रयोगशालाएं**), पावरलूम सेवा केंद्र और भारतीय कपास निगम (**2 प्रयोगशालाएं**) की प्रयोगशालाओं में कपास फाइबर परीक्षण अवसंरचना को मजबूत करना	38.72 करोड़ रुपये।
3.	जैविक खाद्य परीक्षण के लिए एफएसएसएआई की अधिसूचित खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करना, जिसमें 12 एफएसएसएआई अधिसूचित राज्य खाद्य प्रयोगशाला (**12 प्रयोगशालाएं**) और अन्य सरकारी संगठनों के तहत कार्यरत 12 एफएसएसएआई अधिसूचित प्रयोगशालाएं (**12 प्रयोगशालाएं**) शामिल हैं।	116.25 करोड़ रुपये।
4.	राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला द्वारा विश्वसनीयता, निरीक्षण और परीक्षण के लिए माप विज्ञान में उन्नति (एएमआरआईटी) प्रस्तुत की गई।	37.49 करोड़ रुपये।
5.	ई0 और ई1 श्रेणी के भारों के अंशांकन हेतु आरआरएसएल में अन्य उपकरणों के साथ रोबोटिक मास कांपैरेटर की स्थापना। आरआरएसएल (5 प्रयोगशालाएँ) में आवश्यक अवसंरचना सुनिश्चित करने के बाद, यह स्थापना चरणबद्ध तरीके से की जाएगी।	सभी 5 आरआरएसएल के लिए 100 करोड़ रुपये।
6.	एनटीएच जयपुर में ट्रांसफार्मरों की शॉर्ट सर्किट परीक्षण सुविधा सहित विद्युत ट्रांसमिशन और वितरण क्षेत्रों के लिए एकीकृत परीक्षण सुविधा का निर्माण	50.11 करोड़ रुपये।
7.	राष्ट्रीय परीक्षण शाला, बेंगलुरु में एयरोस्पेस कॉम्पोनेंट के परीक्षण के लिए परीक्षण सुविधा का निर्माण	5.03 करोड़ रुपये।
8.	राष्ट्रीय परीक्षण शाला, गाजियाबाद में 1000 वाट तक के सौर फोटो वोल्टेइक मॉड्यूल के लिए परीक्षण सुविधा का निर्माण	40 करोड़ रुपये।
9.	राष्ट्रीय परीक्षण शाला, चेन्नई में 120 केए, 525वी की शॉर्ट सर्किट परीक्षण सुविधा का निर्माण	10.0229 करोड़ रुपये।
10.	राष्ट्रीय परीक्षण शाला, गाजियाबाद में एचटी केबलों के परीक्षण हेतु सुविधा का विस्तार	3.1425 करोड़ रुपये।
11.	आईसीएआर-राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा में एनआरजी फॉर मखाना में मखाना के पोषण गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला की स्थापना/संवर्द्धन	0.375 करोड़ रुपये (37.50 लाख रुपये)
12.	जैविक खाद्य उत्पादों के परीक्षण हेतु एफएसएसएआई द्वारा अधिसूचित प्रयोगशालाओं को सहायता i. राष्ट्रीय खाद्य प्रयोगशाला - रक्सौल (विस्तार केंद्र एनएफएल-कोलकाता), बिहार ii. गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला, मसाला बोर्ड, गुंटूर, आंध्र प्रदेश iii. गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला, मसाला बोर्ड, ठाणे, महाराष्ट्र iv. गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला, मसाला बोर्ड, तिरुवल्लूर, तमिलनाडु	सभी 4 प्रयोगशालाओं के लिए 19.5 करोड़ रुपये 3.75 करोड़ रुपये 5.25 करोड़ रुपये 5.25 करोड़ रुपये 5.25 करोड़ रुपये
कुल		**425.6404 करोड़ रुपये**

****